

---

gaNapatistotram

गणपतिस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : Ganapatistotram 3

File name : gaNapatistotramShankarAchArya.itx

Category : ganesha, stotra, shankarAchArya

Location : doc\_ganesha

Author : Shankaracharya

Transliterated by : Sumit

Proofread by : Sumit, NA

Latest update : June 1, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 10, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

गणपतिस्तोत्रम्



सुवर्णवर्णसुन्दरं सितैकदन्तबन्धुरं  
गुह्यीतपाशकाङ्कुशं वरप्रदाभयप्रदम् ।  
यतुर्भुजं त्रिलोचनं भुजङ्गमोपवीतिनं  
प्रकृल्लवारिजासनं भजामि सिन्धुराननम् ॥ १ ॥

किरीटछात्रकुण्डलं प्रदीपबालुभूषणं  
प्रयाण्डरत्नकङ्कुणं प्रशोभिताङ्घ्रियष्टिकम् ।  
प्रभातसूर्यसुन्दराम्बरद्वयप्रधारिणं  
सरलछेदनूपुरं प्रशोभिताङ्घ्रिपङ्कजम् ॥ २ ॥  
सुवर्णदण्डमण्डितप्रयाण्डयारुचामरं  
गृहप्रतीर्णसुन्दरं युगक्षणं प्रमोदितम् ।  
कवीन्द्रचित्तरञ्जकं मण्डाविपत्तिभञ्जकं  
षडक्षरस्वरूपिणं भजेद्भजेन्द्ररूपिणम् ॥ ३ ॥

विरिञ्चिविषणुवन्दितं विरूपलोचनस्तुतिं  
गिरीशदृशनिश्चया समर्पितं पराशया ।  
निरन्तरं सुरासुरैः सपुत्रवामलोचनैः  
मण्डामपेष्टमिष्टकर्मसु (स्मृतं) भजामि तुन्दिलम् ॥ ४ ॥

मदौघलुब्धयञ्चलार्कमञ्जुगुञ्जितारवं  
प्रबुद्धचित्तरञ्जकं प्रमोदकर्णयालकम् ।  
अनन्यभक्तिमानवं प्रयाण्डमुक्तिदायकं  
नमामि नित्यमादरेण वक्त्रतुण्डनायकम् ॥ ५ ॥

दारिद्र्यविद्रावणमाशु कामदं स्तोत्रं पठेदेतदृजस्रमादरात् ।  
पुत्रीकलत्रस्वजनेषु मैत्री पुमान्मवेदेकवरप्रसादात् ॥ ६ ॥  
एति श्रीमच्छंकराचार्यविरचितं गणपतिस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Sumit

---



*gaNapatistotram*

pdf was typeset on May 10, 2025



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

